Anusandhanvallari
Vol 2024, No.1
December 2024
ISSN 2229-3388

उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीनभावना का अध्ययन

[1]माधुरी पंचोली, [2]डॉ. अशोक कुमार सिड़ाना

[1]शोधार्थी, शिक्षा विभाग, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत।

[2]शोध पर्यवेक्षकए (प्रोफेसर डीन), शिक्षा विभाग, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत।

Corresponding Author: madhuripancholi02@gmail.com

शोध सार-

हीन भावना अपर्याप्तता की एक तीव्र और गहरी भावना है जो व्यक्ति दूसरों को खुद से अधिक सक्षम समझने और किसी समस्या पर काबू पाने के लिए तैयार न होने के बारे में अनुभव करता है। विभिन्न कुसमायोजन सहित मानव व्यवहार के कई रूप हीनता की भावनाओं के लिए क्षतिपूर्ति हैं। ऐसी क्षतिपूर्ति के दौरान कुसमायोजित व्यक्ति खुद को हीनता की ऐसी भावनाओं से मुक्त करने और दूसरों पर वास्तविक या काल्पनिक शक्ति प्राप्त करने का प्रयास करता है। इस अध्ययन में यह समझने का प्रयास किया गया हैं कि कैसे अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों में हीनभावना का विकास होता हैं। शोध हेतु स्वनिर्मित उपकरण बनाया गया तथा 400 का न्यादर्श लेकर विश्लेषण कर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए:. उच्च माध्यमिक स्तर पर राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीन भावना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीन भावना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

मुख्य शब्द - हीनभावना, उच्च माध्यमिक स्तर, विज्ञान वर्ग, अनुत्तीर्ण बालक।

1. प्रस्तावना-

हीनभावना एक गंभीर मानसिक स्थिति है जो विशेष रूप से विद्यार्थियों में शैक्षिक दबाव सामाजिक अपेक्षाएँ और असफलताओं के कारण उत्पन्न हो सकती है। इसे समझने और समाधान के उपायों को अपनाने से विद्यार्थियों को मानसिक और शैक्षिक दृष्टिकोण से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिल सकती है। सही मार्गदर्शन और समर्थन से हीनभावना को दूर किया जा सकता है और आत्म-संवर्धन की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

विज्ञान संकाय के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों में हीनभावना का विकास एक सामान्य समस्या हो सकती है। जब विद्यार्थी किसी चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धी विषय में असफल होते हैं तो उनका आत्म-संवेदनशीलता और आत्म-मूल्य कम हो सकता है। विज्ञान विषय जैसे कि भौतिकी रसायन गणित और जीवविज्ञान में बहुत अधिक दबाव और उच्च मानक होते हैं जो कभी-कभी विद्यार्थियों को मानसिक रूप से थका सकते हैं। अनुत्तीर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को खुद को दूसरों से तुलना करने अपनी असफलताओं पर अफसोस करने और आत्म-संदेह से जूझने की स्थिति का सामना करना पड़ता है। विज्ञान संकाय के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए हीनभावना एक बड़ी चुनौती हो सकती है लेकिन सही मार्गदर्शन मानसिक समर्थन और सकारात्मक सोच से वे इससे उबर सकते हैं। उन्हें यह समझाने की जरूरत होती है कि असफलता अस्थायी है और जीवन में सफलता के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है। सही आत्ममूल्यांकन और मानसिक शांति के उपायों से वे न केवल अपनी शैक्षिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं बल्कि अपनी मानसिक स्थिति को भी सशक्त बना सकते है। इस अध्ययन का उद्देश्य हायर सेकण्डरी अथवा उच्च माध्यमिक स्तर के साइंस/विज्ञान संकाय में अनुत्तीर्ण शिक्षार्थियों की हीनभावना के बीच संबंधों की जांच करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। अनुत्तीर्णता एक ऐसा अनुभव है जो विद्यार्थी के मानसिक स्वास्थ्य आत्म-सम्मान और शैक्षिक भविष्य को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में मानसिक तनाव हीनभावना और परिवारिक संबंधों में असंतुलन उत्पन्न हो सकते हैं।

2. प्रस्तुत शोध का औचित्य -

प्रस्तुत शोध हायर सेकण्डरी अथवा उच्च माध्यमिक स्तर के साइंस/विज्ञान संकाय में अनुत्तीर्ण शिक्षार्थियों के हीनभावना के बीच संबंधों की जांच करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। शोध का औचित्य निम्नलिखित बिंदुओं से स्पष्ट होता है:-

- विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता।
- शैक्षिक सुधार के लिए मार्गदर्शन।
- माता-पिता और शिक्षक के सहयोग का महत्व।
- शैक्षिक प्रणाली में सुधार के सुझाव।

इस शोध का उद्देश्य न केवल अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के अनुभवों को समझना है बल्कि उन्हें मानसिक और शैक्षिक रूप से पुनः सशक्त बनाने के लिए उपायों का सुझाव देना भी है। यह विद्यार्थियों माता-पिता शिक्षकों और शैक्षिक संस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शिका साबित हो सकता है।

3. सम्बन्धित साहित्य -

देवरारी मंजू एट अल. (2024) ने कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच अपराधबोध हीनता और असुरक्षा की भावनाओं पर ध्यान-प्रार्थना की प्रभावकारिता की जांच की। प्रायोगिक और नियंत्रण समूह डिजाइन का उपयोग किया गया। अध्ययन के परिणाम से पता चलता है कि अपराधबोध हीनता और असुरक्षा की भावनाओं के स्तर को कम करने में ध्यान-प्रार्थना काफी प्रभावी है।

वांग जेनहोंग एट अल. (2024) ने चीनी लोगों का मूल्यांकन उनके चेहरे के भावों और भावनात्मक स्थितियों को स्वतंत्र रूप से लेबल करने की उनकी क्षमताओं के आधार पर किया। परिणामों ने संकेत दिया कि चेहरे के भावों को स्वतंत्र रूप से लेबल करने की समग्र सटीकता 3-5 वर्ष की आयु के बच्चों में अपेक्षाकृत तेज़ी से बढ़ी लेकिन 5-7 वर्ष की आयु के बच्चों में धीमी हो गई। इसके विपरीत 3-7 वर्ष की आयु के बच्चों में भावनात्मक स्थितियों को फ्री-लेबल करने की समग्र सटीकता लगातार बढ़ी।

मोहम्मद शाहीनूर रहमान और लैलुन नाहर क्लाउडिया फेरेरा एट अल. (2023) ने दबाव में महसूस करने की अभिव्यक्ति और परिणामों के सापेक्ष लिंग अंतर की जांच की ताकि वे किसी खतरनाक सामाजिक स्थिति से बचने के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए प्रयास करने की आवश्यकता सामान्य मनोविकृति संबंधी लक्षणों से जुड़ी है।

त्रिपाठी मनोरंजन और श्रीवास्तव एस.के. (2022) ने यह निर्धारित करने का प्रयास किया कि शैक्षणिक उपलब्धि स्कूल जाने वाले बच्चों में हीनता और असुरक्षा की भावना के स्तर को प्रभावित कर सकती है। परिणाम से यह पहचाना जाता है कि हीनता और असुरक्षा की भावना का स्तर शैक्षणिक उपलब्धि से प्रभावित हुआ है।

शोध अन्तराल -पिछले विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि असफल विद्यार्थियों एवं हीनभावनाा से सम्बन्धित बहुत कम शोध कार्य हुए है। इसमें भी उक्त दोनों चरों को लेकर साथ में किया गया शोध कार्य शोधकत्री के संज्ञान में नहीं आया है। अतः यह शोध के अन्तराल को प्रदर्षित करता है तथा शोधकत्री के द्वारा चयनित शोध के चयन की सार्थकता को दर्षाता है।

4 शोध उद्देश्य -

क. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय में अनुतीर्ण निजी विद्यालय एव राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की हीन भावना का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

ख. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान सकाय में अनुतीर्ण विद्यार्थियों की हीनभावना का लिंग भेद के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

5. परिकल्पनाएँ

प्रस्तावित शोध में परिकल्पनाऐ दिशासूचक तथा शून्य परिकल्पनाएँ है।

क. उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के विज्ञान संकाय में अनुतीर्ण राजकीय एव निजी विद्यालय के विद्यार्थियों की हीनभावना पर तुलनात्मक दृष्टि से कोई अन्तर नहीं पाया जाता है।

ख. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय में अनुतीर्ण विद्यार्थियों की हीनभावना का लिंग भेद के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता हैं।

6. शोध में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषिकरण -

इस शोध में प्रयुक्त प्रमुख शब्दों का परिभाषिकरण निम्नलिखित रूप में किया गया हैः

(क) -हीनभावनाः यह एक मानसिक स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं को अन्य लोगों से कमतर समझता है और अपनी आत्ममूल्यता को गिरा हुआ महसूस करता है। यह असफलता के बाद उत्पन्न हो सकता है और आत्म-संवेदनात्मक संकट का कारण बन सकता है।

(ख) -अनुत्तीर्ण विद्यार्थीः वे विद्यार्थी जो उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा 12) की विज्ञान संकाय की परीक्षा में निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने में असफल होते हैं और परिणामस्वरूप अगली कक्षा में प्रमोट नहीं हो पाते हैं।

(ग) -उच्च माध्यमिक स्तरः यह कक्षा 11 और 12 के अध्ययन को संदर्भित करता है जो आमतौर पर 16-18 वर्ष के छात्रों द्वारा किया जाता है और यह छात्रों को उनकी पसंद के विषयों (जैसे विज्ञान वाणिज्य कला) में गहन अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है।

(घ) -विज्ञान संकायः यह उस शैक्षिक क्षेत्र को कहा जाता है जिसमें भौतिकी रसायन विज्ञान गणित जीवविज्ञान आदि विषयों का अध्ययन किया जाता है।

7. वर्तमान शोध में प्रयुक्त विधि -

शोध की प्रकृति सर्वेक्षण की मौलिकता व उपयोगिता के आधार पर शोधकर्त्ता द्वारा सर्वे विधि का प्रयोग किया गया है।

8. शोध न्यादर्श -

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श शोध हेतु उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कुल 400 विद्यार्थियों को लिया गया। राजकीय एवं निजी विद्यालयों के 200 - 200 बालक एवं बालिकाओं को लिया गया।

9. प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण -

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा स्वनिर्मित हीन भावना प्रमापनी का प्रयोग किया गया है।

10. प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी -

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने निम्नलिखित सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया है:

1.मध्यमान 2. प्रमाणिक विचलन 3.टी. मूल्य

11. प्रदत्तों का विश्लेषण-

11.1 उच्च माध्यमिक स्तर पर राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीनभावना के संदर्भ में अध्ययन सारणी संख्या 1.1

Anusandhanvallari
Vol 2024, No.1
December 2024
ISSN 2229-3388

उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय व निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीनभावना के प्राप्तांकों का मध्यमान मानक विचलन एवं टी-मान Df = 398 *=0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक लेखाचित्र संख्या 1.1

हीनभावना एवं उसके आयाम	प्रबन्धन	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी-मान
कुल हीनभावना	राजकीय	200	208.97	8.76	0.334
	निजी	200	208.69	8.31	
उच्च शैक्षिक दबाव	राजकीय	200	50.64	5.72	0.148
	निजी	200	50.56	5.06	
समाज और परिवार से अपेक्षाएँ	राजकीय	200	53.65	3.86	0.026
	निजी	200	53.64	3.92	
सामाजिक तुलना	राजकीय	200	50.60	4.62	1.007
	निजी	200	51.05	4.42	
असफलता का डर	राजकीय	200	54.09	3.40	1.927
	निजी	200	53.44	3.35	

उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय व निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीनभावना के प्राप्तांकों का मध्यमान

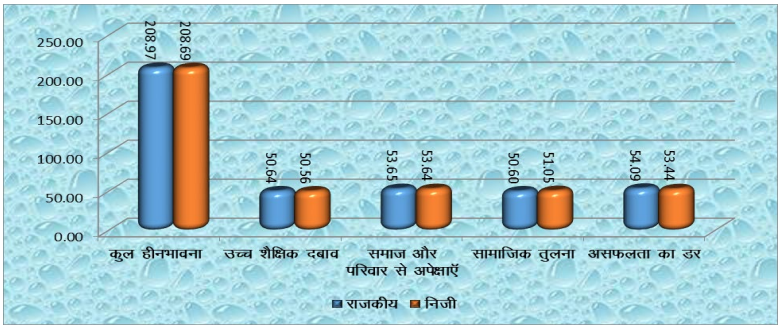

सारणी संख्या 1.1 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के कुल हीन भावना के प्राप्तांकों का मध्यमान 208.97 एवं मानक विचलन 8.76 है जबकि उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के कुल हीन भावना का मध्यमान 208.69 एवं मानक विचलन 8.31 है। राजकीय विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के कुल हीन भावना का मध्यमान उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के मध्यमान से आंशिक अधिक है। मध्यमानों के अन्तर का टी-मान 0.28 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर के मानकीकृत मान 1.98 से कम है। अतः उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की कुलहीन भावना में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

अतः शोध की परिकल्पना संख्या-1 उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीन भावना एवं उसके समस्त आयामों यथा:- उच्च शैक्षिक दबाव समाज और परिवार से अपेक्षाएँ सामाजिक तुलना एवं असफलता का डर के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है। जिसके अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर पर राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीन भावना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

11.2 उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीनभावना के संदर्भ में अध्ययन सारणी संख्या 1.2

उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीनभावना के प्राप्तांकों का मध्यमान मानक विचलन एवं टी-मान

हीनभावना एवं उसके आयाम	लिंग	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी-मान
कुल हीनभावना	बालक	200	208.64	8.04	0.451
	बालिकाएँ	200	209.02	9.00	
उच्च शैक्षिक दबाव	बालक	200	50.24	5.24	1.336
	बालिकाएँ	200	50.96	5.54	
समाज और परिवार से अपेक्षाएँ	बालक	200	53.97	3.69	1.678
	बालिकाएँ	200	53.32	4.05	
सामाजिक तुलना	बालक	200	50.80	4.38	0.099
	बालिकाएँ	200	50.85	4.66	
असफलता का डर	बालक	200	53.63	3.54	0.797
	बालिकाएँ	200	53.90	3.23	

लेखाचित्र संख्या 1.2 उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीनभावना के प्राप्तांकों का मध्यमान

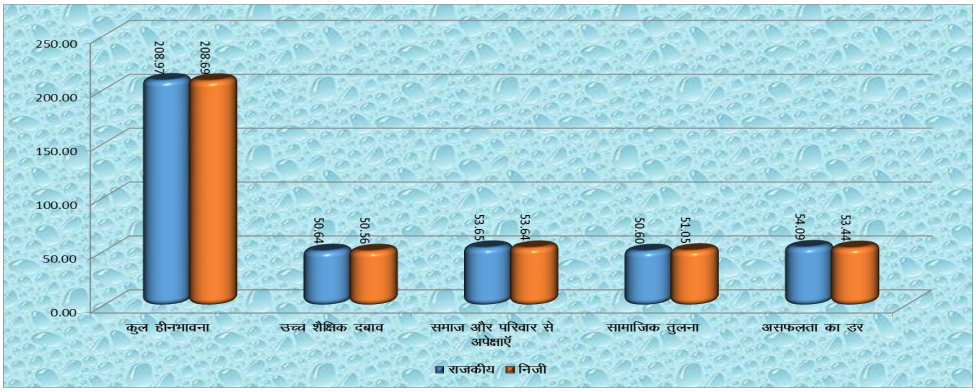

सारणी संख्या 1.2 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालकों की कुल हीन भावना के प्राप्तांकों का मध्यमान 208.64 एवं मानक विचलन 8.04 है जबकि उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग की अनुत्तीर्ण बालिकाओं की कुल हीन भावना का मध्यमान 209.02 एवं मानक विचलन 9.00 है। विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालिकाओं की कुल हीन भावना का मध्यमान उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालकों के मध्यमान से आंषिक अधिक है। मध्यमानों के अन्तर का टी-मान 0.451 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर के मानकीकृत मान 1.98 से कम है। अतः उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की कुल हीन भावना में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

अतः शोध की परिकल्पना संख्या-2 उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीन भावना एवं उसके समस्त आयामों यथा:- उच्च शैक्षिक दबाव समाज और परिवार से अपेक्षाएँ सामाजिक तुलना एवं असफलता का डर के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है। जिसके अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीन भावना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

12. शोध निष्कर्ष

12.1 उच्च माध्यमिक स्तर पर राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के पारिवारिक समायोजन के संदर्भ में अध्ययन

क. उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की कुल हीन भावना एवं उसके आयामों यथा:- उच्च शैक्षिक दबाव समाज और परिवार से अपेक्षाएँ एवं असफलता का डर के प्राप्तांकों का मान निजी विद्यालयों के प्राप्तांकों के मान से अधिक पाया गया।

ख. शोध की परिकल्पना संख्या-1 उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीन भावना एवं उसके समस्त आयामों यथा:- उच्च शैक्षिक दबाव समाज और परिवार से अपेक्षाएँ सामाजिक तुलना एवं असफलता का डर के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है। जिसके अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर पर राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीन भावना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

ग. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की हीन भावना के आयाम सामाजिक तुलना के प्राप्तांकों का मान निजी विद्यालयों के प्राप्तांकों के मान से अधिक पाया गया।

12.2 उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं का पारिवारिक समायोजन के संदर्भ में अध्ययन

क. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालकों की कुल हीन भावना एवं उसके आयामों यथा:- उच्च शैक्षिक दबाव सामाजिक तुलना एवं असफलता का डर के प्राप्तांकों का मान बालिकाओं के प्राप्तांकों के मान से अधिक पाया गया।

ख. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालकों की हीन भावना के आयाम समाज और परिवार से अपेक्षाएँ के प्राप्तांकों का मान बालिकाओं के प्राप्तांकों के मान से अधिक पाया गया।

ग. शोध की परिकल्पना संख्या-2 उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीन भावना एवं उसके समस्त आयामों यथा:- उच्च शैक्षिक दबाव समाज और परिवार से अपेक्षाएँ सामाजिक तुलना एवं असफलता का डर के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है। जिसके अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के अनुत्तीर्ण बालक एवं बालिकाओं की हीन भावना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. एडेनिनी वी, (2011), पास होने के लिए पढ़ाई का स्टूडेंट्स पर असर, लागोस मैकमिलन।
2. अदिआम्बो डब्ल्यू. एम., ओडवार, ए. जे. एवं मिल्ड्रेड, ए. ए., (2011), किसुमू डिस्ट्रिक्ट केन्या में सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स के बीच स्कूल एडजस्टमेंट, जेंडर और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध, जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एजुकेशनल रिसर्च एंड पॉलिसी स्टडीज़, 26, 493-497।
3. हार्प टी., (2009), इफेक्टिव स्टडी हैबिट्स, www-arbeitsblaetter-com से लिया गया, 12/3/2016।
4. वाइल्डर, एस., (2014), एकेडमिक अचीवमेंट पर माता-पिता के शामिल होने का असर -एक मेटा-सिंथेसिस, 66, 377-397।
5. याओ, एस. एन., (2002), टीचर्स के बीच हीनता की एक स्टडी, अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट, जुलाई 1(1), 315।
6. येल्लाया, (2012), हाई स्कूल के स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट पर एडजस्टमेंट की एक स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल फीमेल एंड इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, 1(5), 36-49।